an>

Title: Need to follow CSR guidelines for Central Public Sector Enterprises.

श्री पी.पी.चौधरी (पाली) : सभापति जी, सैंट्रल पब्लिक सैक्टर एंटरप्राइजेज की सभी कम्पनियों को सीएसआर कमेटी बनाना आवश्यक है, जिसका कार्य कम्पनी के लाभ के कुछ हिस्से को सामाजिक सुधार में खर्च सुनिश्चित करना है। ऐसा पाया गया है कि कुछ कम्पनियों द्वारा सीएसआर के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। मेरी जानकारी में आया है कि कुछ नवरत्न जैसी बड़ी कम्पनियां भी सीएसआर के तहत बजट को अत्याधिक कम मात्रा में आवंटित कर रही हैं। यह भी प्रकाश में आया है कि कुछ कम्पनियां बजट तो आवंटित कर रही हैं परंतु पूर्ण मात्रा में खर्च नहीं कर रही हैं। इसके साथ-साथ मैं यह भी सुझाव देना चाहूंगा कि महारत्न, मणिरत्न और नवरत्न जैसी पूरे देश में व्यापार करने वाली कम्पनियों के द्वारा सीएसआर के माध्यम से कराए जाने वाले कार्य एक सीमित क्षेत्र के लिए नहीं होने चाहिए। अनेकों प्रस्तावों को कम्पनियां यह कह कर लौटा देती हैं कि वह स्थान उनके कार्यक्षेत्र से संबंधित नहीं है। ऐसी स्थिति में देश के वे जिले जहां एक भी पीएसयू नहीं है उनकी पहचान केवल पिछड़े जिलों के रूप में ही रह जाती है। वर्तमान में सीएसआर निर्देश में भौगोलिक दÂिष्ट से पिछड़े क्षेत्रों के विकास की ओर प्राथमिकता से ध्यान देने का प्रावधान नहीं है।

अतः मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि लोक उद्यम विभाग द्वारा सीएसआर के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने की कार्रवाई की जाए। धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON:

Shri Bhairon Prasad Mishra,

Shri Devji M. Patel,

Kunwar Pushpendra Singh Chandel, and

Shri Sharad Tripathi are allowed to associate with the matter raised by Shri P.P. Chaudhary.